

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 1, परिचय और प्रारंभिक मेसोपोटामिया भूगोल

© 2024 डॉनल फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 1, परिचय और प्रारंभिक मेसोपोटामिया भूगोल है।

शुभ प्रभात। मेरा नाम डोनाल्ड फाउलर है। मैं वर्जीनिया के लिंचबर्ग में लिबर्टी यूनिवर्सिटी में पढ़ाता हूं और हम ओल्ड टेस्टामेंट बैकग्राउंड्स का कोर्स कर रहे हैं। कई साल पहले, जब मैं एक युवा सेमिनरी का छात्र था, मैंने ग्रेस थियोलॉजिकल सेमिनरी की एक कक्षा में प्रवेश किया, जिसे एक व्यक्ति पढ़ाता था, जो बाद में मेरा प्रोफेसर और मेरा दोस्त और मेरे सहयोगी, डॉ. हर्ब बेस बन गया।

मैंने यह पाठ्यक्रम लिया, मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि यह पाठ्यक्रम किस बारे में है, लेकिन मैं लगभग तुरंत ही इसकी सामग्री से प्रभावित हो गया। यह इतना नया और इतना ज्ञानवर्धक था कि मैं शुरू से ही इससे आकर्षित हो गया। इसलिए, मुझे याद है कि पाठ्यक्रम के अंत में मेरी प्रतिक्रिया यह थी कि यह बिल्कुल अद्भुत था।

वह क्या था? खैर, मैं हंस रहा था क्योंकि यह अद्भुत था, लेकिन मुझे बहुत कुछ समझ नहीं आया कि क्या हो रहा था क्योंकि वहां कोई क्लास नोट्स नहीं थे और कोई वास्तविक संगठन नहीं था। और इसलिए, मुझे बस इतना याद है कि जो कुछ भी कहा गया था वह बस आकर्षक था, लेकिन वह अव्यवस्थित था। खैर, उसके कुछ साल बाद, मुझे संकाय में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए यह बहुत हास्यास्पद है, लेकिन संकाय में अपनी स्थिति के बारे में सबसे पहली बात जो मुझे याद है वह वह थी जब मेरे प्रिय मित्र और सहकर्मी ने मुझसे कहा था, क्या आप इस कक्षा के लिए क्लास नोट्स एक साथ रखेंगे? क्योंकि वह जानता था कि इसे व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। इसलिए, हम अपने क्लास नोट्स में उस संगठन का अनुसरण कर रहे हैं, जिन्हें ओल्ड टेस्टामेंट बैकग्राउंड कहा जाता है। यह एक अवधारणा है जो इस तथ्य के आधार पर अस्तित्व में है कि आप वास्तव में बाइबिल के संदेश को तब तक अच्छी तरह से नहीं समझ सकते जब तक आप उस सेटिंग को नहीं समझते जिसमें यह लिखा गया था।

किसी तरह, बाइबल के बारे में हमारे पास यह दृष्टिकोण है कि कोई भी बच्चा पढ़ और समझ सकता है। खैर, निश्चित रूप से, एक अर्थ है जिसमें यह सच है, लेकिन एक और मजबूत अर्थ है जिसमें यह सच नहीं है क्योंकि इस मामले का तथ्य यह है कि बाइबिल में बहुत कुछ चल रहा है जिसे तब तक नहीं समझा जा सकता जब तक हम प्रभावी ढंग से प्रवेश नहीं करते उनकी दुनिया में। तो यह मुझे एक रूपक या एक उपमा की खोज की ओर ले जाता है जिसका उपयोग मैं आपको इस कक्षा की सामग्री से परिचित कराने के लिए कर सकता हूँ।

यदि मुझे संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान को चुनना हो, तो उदाहरण के लिए मान लीजिए कि मैं विश्व इतिहास के बारे में कुछ भी नहीं जानता था; वस्तुतः, मैंने जो कुछ किया वह संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान नामक एक प्राचीन पांडुलिपि खोजने का था। मैं उसे पढ़ सकता था। मुझे लगता है कि मैं इसका काफी बड़ा प्रतिशत समझ सकता हूँ, लेकिन मैं निश्चित रूप से इसे तब तक बेहतर ढंग से नहीं समझ सकता जब तक मैं यह नहीं समझ पाता कि दस्तावेज़ वहाँ क्यों था।

मुझे शुरुआती अमेरिकियों की तरह चीजें जानने की जरूरत होगी जो यूरोप से यहाँ आए थे। मुझे यूरोपीय इतिहास जानने की आवश्यकता होगी ताकि मैं समझ सकूँ कि यूरोपीय इतिहास ने उस दस्तावेज़ का निर्माण किया जिसे हम संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान कहते हैं क्योंकि इसके निर्माण के पीछे राजनीतिक और धार्मिक घटनाएँ थीं। मैं संविधान में मौजूद विभिन्न चीजों को बेहतर ढंग से समझ सका।

तो, मेरा कहना यह है कि यदि मैं किसी दस्तावेज़ के संदर्भ को नहीं समझता, तो दस्तावेज़ के बारे में मेरी समझ सीमित है। तो यह पाठ्यक्रम यही हासिल करने की कोशिश कर रहा है। यह लोगों को धर्मग्रंथों, विशेषकर पुराने नियम के संदर्भ को समझने में मदद करने का प्रयास कर रहा है, क्योंकि हम नए नियम के बारे में कुछ बातें कह सकते हैं, लेकिन बहुत अधिक नहीं।

इसलिए, हम पुराने नियम की पृष्ठभूमि के बारे में बात करके इस कक्षा की शुरुआत कर रहे हैं। यह दिलचस्प है जब आप पुराने नियम के पाठ पर इतिहास की बारीक रोशनी चमकाना शुरू करते हैं, यह कैसे संदेश को बदलता है, यह चीजों को कैसे ध्यान में लाता है, और यह कैसे सामग्री बनाता है या यह कैसे अर्थ को इतना स्पष्ट करता है, कई बार बहुत अधिक रोमांचक। तो, हमारा लक्ष्य ऐसा करना है।

इसलिए, जैसे ही हम शुरुआत करने के लिए तैयार हो रहे हैं, मैं कुछ टिप्पणियाँ करना चाहूँगा। पृष्ठभूमि शब्द थोड़ा फिसलन भरा है। यह पाठ्यक्रम प्राचीन निकट पूर्वी इतिहास का पाठ्यक्रम नहीं है।

हम बस इतना करेंगे कि प्राचीन निकट पूर्वी इतिहास की एक मोटी रूपरेखा देंगे ताकि आप इतिहास के उस प्रवाह को देख सकें जिसमें हम पुराने नियम के अध्याय सम्मिलित करते हैं। इज़राइल उत्तर से दक्षिण तक सौ मील दूर एक छोटा सा देश था, जो बहुत शक्तिशाली पड़ोसियों से घिरा हुआ था। तो जैसे आप अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, मध्य अमेरिका या उत्तरी अमेरिका नहीं जाएंगे और निकारागुआ या होंडुरास के परिप्रेक्ष्य से अमेरिका का इतिहास लिखने की कोशिश नहीं करेंगे, वैसे ही आप वहाँ तक पहुंचने की कोशिश भी नहीं करना चाहेंगे। इज़राइल के परिप्रेक्ष्य से इस समय अवधि का इतिहास, क्योंकि डेविड और सोलोमन की अवधि के दुर्लभ अपवाद को छोड़कर, इज़राइल बहुत छोटा खिलाड़ी था।

इसलिए, हमें प्राचीन निकट पूर्वी इतिहास के प्रवाह को समझने की आवश्यकता है ताकि हम पुराने नियम को बनाने वाले विभिन्न ऐतिहासिक खंडों को सम्मिलित कर सकें। तो, यह कोई प्राचीन निकट पूर्वी इतिहास पाठ्यक्रम नहीं है। अध्यापन के अपने प्रारंभिक वर्षों में, मैंने एक कॉलेज में पढ़ाया जहाँ मैंने प्राचीन निकट पूर्वी इतिहास नामक कक्षा में पढ़ाया।

वहां हमने पुराने नियम की पृष्ठभूमि का नहीं, बल्कि प्राचीन निकट पूर्व का इतिहास देखा। ओल्ड टेस्टामेंट बैकग्राउंड एक तरह का अनोखा कोर्स है। यह मेरे मंत्रालय में 40 वर्षों से मेरे साथ जुड़ा हुआ है क्योंकि मैं इसे इस तरह से पढ़ाता हूँ जो शायद सामग्री के मेरे उपयोग के लिए अद्वितीय है।

मुझे हर संभव पृष्ठभूमि दिखाने का प्रयास करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मेरी रुचि अपने विद्यार्थियों को यह दिखाने में है कि कितनी महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि सामग्री वास्तव में नाटकीय तरीके से पाठ की समझ को बदल सकती है। जैसे-जैसे हम बाइबिल के पाठ की ओर बढ़ते हैं, हम संभवतः आपको प्राचीन विश्व की सभी पृष्ठभूमियाँ नहीं दिखा सकते।

यह संभव ही नहीं है। हम जो करेंगे वह प्रमुख पृष्ठभूमियों के साथ चुनिंदा रूप से जुड़ना होगा, जो मुझे लगता है कि आप वास्तव में पुराने नियम के पाठ के बारे में हमारी समझ को बदल देंगे। तो, हम पृष्ठभूमि अध्ययन के लिए अभी स्वर्ण युग में हैं।

मैं अब अपने शिक्षण के 40वें वर्ष में हूँ, इसे शुरू करने के लिए तैयार रहें। और जब मैंने शुरुआत की, तो मैं आपको बता सकता हूँ कि पृष्ठभूमि के इस पूरे क्षेत्र में वस्तुतः कुछ भी नहीं था। अब हमारे पास ज़ोंडरवन प्रेस द्वारा प्रकाशित पृष्ठभूमि के प्रकाश में पुराने नियम पर एक संपूर्ण टिप्पणी है।

वास्तव में हमारे पास अब ज़ोंडरवन प्रेस द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन बाइबिल है जिसे बैकग्राउंड्स स्टडी बाइबिल कहा जाता है। हमारे पास बैकग्राउंड्स टू न्यू टेस्टामेंट भी है, जो ज़ोंडरवन द्वारा प्रकाशित और क्रेग कीनर द्वारा संपादित है। हमारे पास कई अन्य टिप्पणी सेट या खंड हैं जो हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं कि जब हम अपनी पृष्ठभूमि जानते हैं तो बाइबिल पाठ के बारे में हमारी समझ कैसे बदल जाती है।

यह एक स्वर्णिम युग है। हालाँकि, ऐसा लगता है कि इस उलझन भरी नियति को झेलना हमारी नियति है। हमारे पास जितनी अधिक जानकारी होती है, उतने अधिक प्रश्न उत्पन्न होते हैं, जिनमें से कम से कम इस प्रश्न का उत्तर देना नहीं होता है कि पृष्ठभूमि को पृष्ठभूमि क्या बनाती है? उस प्रश्न का ऐसा कोई उत्तर नहीं है जिससे हर कोई सहमत हो।

एक व्यक्ति की पृष्ठभूमि दूसरे व्यक्ति का मिथक है। इसलिए, हम वे सभी पृष्ठभूमियाँ नहीं ढूँढ़ने जा रहे हैं जो हम कर सकते हैं, लेकिन हम जो करने जा रहे हैं वह यह है कि पृष्ठभूमि के इस मुद्दे पर प्रकाश डालने के लिए कक्षा में जितनी भी महत्वपूर्ण चीज़ें मिल सकें, उन्हें चुनिंदा रूप से चुनें। मुझे इसके बारे में कुछ और कहने दीजिए।

मेरी उम्र इतनी हो गई है कि मुझे एक कहावत याद है, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह बात मेरे अस्तित्व में आने से बहुत पहले की है या नहीं। यह इस प्रकार है: कुत्ता पूँछ नहीं हिलाता। दूसरे शब्दों में, कुत्ता ही जीव है, पूँछ नहीं।

मुझे लगता है कि बाइबिल के साथ भी यही सच है। यदि आप रूपक की अनुमति दें तो बाइबिल ही क्रेटर है। यह कुत्ता है।

यह जानवर है। पृष्ठभूमि पूछ है। चीजों को विकृत करना बहुत आसान है, और पृष्ठभूमि अपना जीवन बना सकती है।

और सच कहूं तो यह मेरी इच्छा से कहीं अधिक होता है। हम उससे बचना चाहते हैं। बाइबिल पाठ के बजाय पृष्ठभूमि को विषय बनाना आसान है।

इसलिए, अगर हम कर सकते हैं तो हम इससे बचना चाहते हैं और अपना ध्यान उन पृष्ठभूमियों की ओर लगाना चाहते हैं जो पाठ को रंगीन बनाने में मदद करती हैं। यह करना कठिन है, मुझ पर विश्वास करो। पृष्ठभूमि का उपयोग कैसे किया जाए इस मुद्दे पर बहुत असहमति है।

तो, यह उन विवादों में से एक है जो आज हमें परेशान कर रहा है। आप वास्तव में पृष्ठभूमि का उपयोग कैसे करते हैं? पृष्ठभूमि क्या है? कुछ लोगों के लिए पृष्ठभूमि गरीबों जैसी होती है। वे हर जगह हैं।

इसलिए, हम उस समस्या से बचना चाहते हैं जिसके बारे में सैमुअल सैंडमेल ने जर्नल ऑफ़ बाइबिलिकल लिटरेचर में शायद 60 साल पहले लिखा था। उन्होंने पैरेललोमेनिया के बारे में एक लेख लिखा। 1920 के दशक में एक समय अवधि थी जब अमेरिकी विद्वानों ने बाइबिल की दुनिया और बाइबल के बीच समानता की खोज शुरू की थी।

उस खोज ने अपने आप में एक जीवन ले लिया, इस हद तक कि ऐसी पृष्ठभूमियाँ तैयार कर ली गईं जो वास्तव में थीं ही नहीं। हम इसके बारे में तब बात करेंगे जब हमें बाद में यहां न्यूज़ी सामग्री मिलेगी। तो, हमारी एक समस्या यह है कि वस्तुतः कोई विद्वतापूर्ण रूब्रिक नहीं है जिससे लोग सहमत हो सकें जब हम यह कहना शुरू करते हैं कि यह एक पृष्ठभूमि है।

तो, यह एक बहुत ही वैयक्तिकृत चीज़ है। यह मेरी समझ है कि प्राचीन निकट पूर्वी सामग्रियां किस बारे में हैं क्योंकि वे पाठ को रंग देती हैं। और मुझे आशा है कि आप मेरे साथ इसका आनंद लेंगे।

अगर तुम मेरी हर बात पर सहमत नहीं हो तो कोई बात नहीं। मामले की सच्चाई यह है कि, 40 वर्षों तक पढ़ाने के दौरान, मैंने कई बार अपना मन बदला है और मुझे गिरगिट के बराबर महसूस होता है। इसलिए, यदि आप मुझसे सहमत नहीं हैं, तो यह शायद अभी की बात होगी और बाद में आपका दृष्टिकोण बदल जाएगा।

जब हम बाइबिल के पाठ को देखते हैं, तो बाइबिल का पाठ मेरे प्रोफेसर, डॉ. बेस्ट, जिसे ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण की समस्या कहते हैं, से ग्रस्त है। अब यह ग्राफ़, जिस पर मुझे विश्वास है कि आप देख सकते हैं, एक ग्राफ़ है जिसके दो घटक भाग हैं। उस पर एक स्पाईग्लास, एक ट्यूब की तरह हस्ताक्षर किया गया है।

और यह दिखावा करने का प्रयास करें कि हम उस जासूस के माध्यम से पुराने नियम के पत्रों को देख रहे हैं, या यह वह दुनिया है जिसमें रहस्योद्घाटन दिया गया था। अब, यह कोई दूरबीन नहीं है जिसे हम देख रहे हैं, बल्कि एक ट्यूब है। और ट्यूबलर दृष्टि के साथ समस्या यह है कि आप केवल इसका बहुत छोटा सा हिस्सा ही देख पाते हैं।

आप देख सकते हैं कि कर्सर ने इसे हाइलाइट कर दिया है। आप प्राचीन विश्व का केवल एक बहुत छोटा हिस्सा ही देख सकते हैं। तो, जब इस ग्राफ में, ट्यूब का शीर्ष दर्शाता है कि आधुनिक लोग पुराने नियम की दुनिया के बारे में क्या जानते हैं।

और जैसा कि आप देख सकते हैं, चूंकि इसे बहुत व्यापक वृत्त पर प्रक्षेपित किया गया है, हम पुराने नियम की दुनिया के बारे में बहुत कुछ नहीं जानते हैं। और उसके कारण, हम उस चीज़ से पीड़ित हैं जिसे मेरे प्रोफेसर, जिन्होंने शायद इसे कहीं और से प्राप्त किया था, ने ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण की समस्या कहा था। इसे स्थानीय भाषा में कहें तो टनल विजन।

पुराने नियम के साथ हम यही करते हैं। और यह विशेष रूप से सच है, मुझे लगता है, हममें से पश्चिम से आए लोगों के लिए। क्योंकि पश्चिम में, ऐसा लगता है जैसे हम सोचते हैं कि नया येरुशलम वाशिंगटन, डीसी है। सभी चीजों को उत्तरी अमेरिका के चश्मे से समझा जाना चाहिए।

ठीक है, हम जो इंगित करने का प्रयास कर रहे हैं वह यह है कि जिस हद तक हम अपनी दुनिया को बाइबिल की दुनिया पर प्रोजेक्ट करते हैं, हम एक ट्यूबलर लुक बना रहे हैं जो प्राचीन दुनिया की छवि को विकृत करता है। तो यह परेशानी का हिस्सा है। आधुनिक पश्चिमवाद, जिसे हम पुराने नियम के पत्रों पर प्रस्तुत करते हैं।

और अगर मैं कुछ ऐसा कह सकूँ जिससे मुझे आशा है कि किसी को अत्यधिक चिंता नहीं होगी क्योंकि हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। इस ट्यूबलर समस्या का एक हिस्सा यह है कि चूंकि हम सभी न्यू टेस्टामेंट के संदेश को जानते हैं, इसलिए इसे उस नीली दुनिया पर प्रोजेक्ट करना बहुत आसान है जिसे हम ग्राफ में देख रहे हैं। इसलिए जो बात मैं कहना चाहूंगा वह यह है कि जैसे नए नियम को पहले उसकी दुनिया में समझने की जरूरत है, वैसे ही पुराने नियम का संदेश भी वही है।

हमें पुराने नियम की दुनिया को बेहतर ढंग से समझना चाहिए। अब, यह एक वर्जित यात्रा की तरह है जिस पर हम चल रहे हैं क्योंकि, दोस्तों, हम वहां कभी नहीं पहुंचेंगे। यदि आप अनुमति दें तो हम पुराने नियम की दुनिया को कभी नहीं समझ पाएंगे।

यह बहुत बड़ा है। जैसे-जैसे हमें नई सामग्री मिलती है, यह बदलता रहता है। तो, जो मैंने सोचा था कि मैं 40 साल पहले जानता था, वह पिछले 40 वर्षों में बाकी सभी लोगों के साथ-साथ मैंने जो सीखा है, उससे बहुत बदल गया है।

यह लगातार बदलता संज्ञानात्मक क्षेत्र है। हम वहां कभी नहीं पहुंचेंगे, लेकिन बेटे, मुझे अच्छा लगेगा अगर मैं तुम्हें उस उत्साह से संक्रमित कर सकूँ जो मेरे प्रोफेसर ने मुझे दिया था। भले ही

हम वहां कभी नहीं पहुंचें, मुझे आशा है कि जब हम एक साथ यात्रा करेंगे तो आपके पास बहुत अच्छा समय होगा।

आप लगातार सीख रहे हैं और हमेशा नई सामग्री होती है। इसलिए, जब हम पुराने नियम को देखते हैं तो यह उन बड़ी समस्याओं में से एक है जिनका हम सामना करते हैं। मैं इस बारे में सचमुच घंटों तक बात कर सकता हूँ।

बेहतर होगा कि मैं खुद को आगे बढ़ाऊँ। जैसे ही परमेश्वर ने पुराने नियम, या वास्तव में, नए नियम के शब्दों को बोला, उसने मनुष्यों को लिखने के लिए प्रेरित किया। यह अन्य थीसिस में से एक है जिस पर हमें विचार करने की आवश्यकता है।

इनमें से पहला सिद्धांत यह था कि हमें पुराने नियम की दुनिया को समझने की आवश्यकता है। दूसरी थीसिस यह है कि हमें यह समझने की आवश्यकता है कि ईश्वर ने इन पुस्तकों को लिखने के लिए वास्तविक दुनिया में वास्तविक ज्ञान वाले वास्तविक लोगों का उपयोग किया है जो दैवीय रूप से प्रेरित हैं। इसलिए, मैं इसे ईश्वर का प्रेरक कार्य कहता हूँ।

जैसा कि आप देख सकते हैं, रहस्योद्घाटन की रेखा ईश्वर से आती है, जो निश्चित रूप से, कुछ महत्वपूर्ण तरीकों से, हर शब्द का लेखक है। और फिर भी, उन्होंने चमत्कारिक ढंग से सामान्य मनुष्यों का अलौकिक तरीकों से उपयोग किया ताकि सामान्य पापी लोग ऐसे शब्द लिखने में सक्षम हो सकें जो दैवीय रूप से त्रुटिहीन थे। तो, रहस्योद्घाटन की यह रेखा वास्तविक लोगों, मनुष्यों, पुरुषों, शायद कुछ महिलाओं से होकर गुजरती है, हम निश्चित रूप से नहीं जानते हैं।

लेकिन इसका मतलब यह है कि बाइबल में प्रत्येक लेखक एक ऐसा व्यक्ति है जो उस व्यक्ति की समय अवधि की संस्कृति और उस व्यक्ति की शिक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। आइए एक उदाहरण से स्पष्ट करें जिसे हम जानते हैं। इब्रानियों को पत्री किसने लिखी, इस पर बहुत विवाद है।

जोहानाइन पत्रियाँ किसने लिखीं, इसके बारे में उतना विवाद नहीं है। जिसने भी इब्रानियों को पत्र लिखा, उसकी शिक्षा यूहन्ना को लिखने वाले से बेहतर थी। अच्छा, हमें लगता है कि हम जानते हैं कि यूहन्ना की पत्रियाँ किसने लिखीं। मुद्दा यह है कि इब्रानियों के पत्र में ग्रीक शानदार, अत्यधिक साक्षर ग्रीक है, जबकि जॉन के पत्र बहुत सरलता से पढ़े जाते हैं।

इसलिए, हमारे लिए यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि जैसे हमें पुराने नियम की दुनिया को जानने की जरूरत है, जिस हद तक हम इसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं, हमें संस्कृति, पूर्वधारणाओं, शिक्षा, ज्ञान, धार्मिक ज्ञान को जानने की जरूरत है। उस प्राचीन लेखक की दुनिया का इतिहास। जिस हद तक हम प्राचीन लेखक को पुनः प्रस्तुत कर सकते हैं, हम उस बाइबिल पाठ के काले और सफेद रंग को रंगीन करने में भी मदद कर सकते हैं जिसकी जड़ें प्राचीन दुनिया में नहीं हैं। अंतिम परिणाम, मुझे विश्वास है कि आप सहमत होंगे, एक प्रेरित पुस्तक है।

लेकिन प्रेरित पुस्तक एक प्रेरणादायक कार्य है जो वास्तविक दुनिया में शुरू होता है। एक वास्तविक दुनिया, प्राचीन निकट पूर्व की दुनिया, असली लोग, बाइबल की किताबें लिखने वाले

असली लोग, इन सबका मतलब है कि हमें पृष्ठभूमि जानने की जरूरत है। अब, अगर मैं आपके खर्च पर कॉफी पी रहा हूँ तो मुझे माफ़ करें; सुबह के आठ बजे हैं, और इसलिए यहाँ, मैं कॉफी का यह कप खत्म करने जा रहा हूँ; यह शायद मुझे अधिक स्पष्टता से सोचने में मदद करेगा।

तो, यहीं से हम अपने विचारों से शुरुआत करते हैं कि हमारे पाठ्यक्रम का शीर्षक क्या दर्शाता है। मेरी कार्यप्रणाली काफी हद तक कुछ लोगों द्वारा अस्वीकार की जाने वाली कार्यप्रणाली होगी क्योंकि मैं यहां आपको यह दिखाने के लिए हूँ कि पुराने नियम की दुनिया पुराने नियम के संदेश को कैसे रंगीन कर सकती है। हम उस दुनिया को पूरी तरह से सुसंगत तरीके से नहीं देखने जा रहे हैं, और हम इसे कुछ हद तक पहचानते हैं। मैं आपको वह प्रस्ताव दूँगा जो मुझे लगता है कि पृष्ठभूमियाँ हैं, और फिर आप यह निर्धारित करने के लिए अपने स्वयं के अध्ययन को आगे बढ़ा सकते हैं कि वे पृष्ठभूमियाँ वैध हैं या नहीं।

जिन तरीकों से हम शुरुआत कर सकते हैं उनमें से एक यह है कि हम खुद को याद दिलाएं कि हम जो कर रहे हैं वह एक ऐसे पाठ्यक्रम पर विचार कर रहे हैं जो मुख्य रूप से एक इतिहास पाठ्यक्रम है, और मैं आपको बस एक बेतुका अनुमान दूँगा। मैं कहूँगा कि आधी सामग्री ऐतिहासिक है, आधी सामग्री धार्मिक है। लेकिन जिस क्षण आप आज की दुनिया में इतिहास शब्द का उपयोग करते हैं, जिसमें इतना बोझ है, जैसे ही मैं इतिहास शब्द का उपयोग करता हूँ, वहां मौजूद मेरे आधे दर्शक बस देखते रह जाएंगे।

मैं जानता हूँ कि यह सच है क्योंकि जब भी मैं इतिहास शब्द का उपयोग करता हूँ तो मेरे आधे छात्र आश्चर्यचकित रह जाते हैं। मुझे द मीनिंग ऑफ़ हिटलर में लेखक सेबेस्टियन हाफनर का यह उद्धरण मिला। ये उन्होंने हिटलर और उसके दौर के बारे में लिखा था।

इतिहास, और यह ऐसे तानाशाही बयानों में दूसरी त्रुटि है, जिसमें केवल लड़ाई शामिल नहीं है। दोनों राष्ट्र और वर्ग युद्ध की तुलना में एक-दूसरे के साथ लंबे समय तक शांति से रहे हैं, और जिन तरीकों से उन्होंने यह शांति हासिल की है, वे कम से कम उतने ही दिलचस्प और ऐतिहासिक शोध के योग्य हैं जितने वे कारक हैं, जो समय-समय पर नेतृत्व करते हैं। उन्हें युद्ध जैसी झड़पों में डाल दिया। खैर, हाफनर की टिप्पणी हमें याद दिलाती है कि जैसे आप द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि के बिना उसका अध्ययन नहीं कर सकते, दूसरे शब्दों में, एडॉल्फ हिटलर वह व्यक्ति कैसे बन गया जो वह था? हम अभी भी निश्चित रूप से यह समझने के लिए संघर्ष कर रहे हैं कि वह यहूदी लोगों से इतनी नफरत क्यों करता था। मैंने अब तक जोसेफ़ स्टालिन की तीन जीवनियाँ पढ़ी हैं।

वे यह समझाने में बहुत ज्ञानवर्धक हैं कि स्टालिन ने लाखों लोगों की हत्या क्यों की। आपको इतिहास को केवल महत्वपूर्ण लड़ाइयों के बारे में बात करने से भी बड़ा मानने की ज़रूरत है, या इससे भी बदतर, हाई स्कूल स्तर पर जहां इतिहास को कई बार तारीखों और तारीखों के परिप्रेक्ष्य से सख्ती से पढ़ाया जा सकता है जिन्हें याद रखना होता है और नाम, और यह सब बस एक साथ गड़गड़ हो जाता है। तो, एक ऐतिहासिक-विरोधी माहौल में, जो कि, मुझे डर है, अस्तित्ववाद की वर्तमान उत्पत्ति से, हम मुझे एक ऐसी संस्कृति में प्रतीत होते हैं जो अपनी ही नाभि में व्यस्त है।

हम मान रहे हैं कि भगवान ने अतीत में जो किया वह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि भगवान वर्तमान में कर रहे हैं। तो, अतीत वास्तव में इस बात का अध्ययन है कि ईश्वर वर्तमान में क्या कर रहा है। तो फिर, इतिहास-विरोधी माहौल में, इतिहास के अध्ययन का क्या महत्व है? खैर, मुझे इतिहास पढ़ना अच्छा लगता है, इसलिए कोई भी इतिहास मेरे लिए दिलचस्प है।

लेकिन जब हम बाइबल पढ़ रहे होते हैं, तो इतिहास केवल लड़ाइयों और घटनाओं का रिकॉर्ड नहीं होता है। यह मानव कथा में दैवीय हस्तक्षेप का एक रिकॉर्ड है। मेरा मानना है कि यह पवित्र है, क्योंकि भगवान ने न केवल मानव कथा में हस्तक्षेप किया, बल्कि उन्होंने मानव कथा को एक लक्ष्य की ओर बढ़ाया।

और मेरा मानना है कि भगवान आज भी मानव कथा में हस्तक्षेप कर रहे हैं, और आप और मैं, अगर हम फिर से ईसाई पैदा हुए हैं, तो मानव घटनाओं के उस चरमोत्कर्ष की ओर बढ़ने का हिस्सा हैं जो भगवान ने मनुष्यों के लिए निर्धारित किया है। तो फिर, इतिहास का मूल्य क्या है? खैर, यह भव्य आख्यान में हमारे स्थान का मूल्य है। मेरा दृढ़ विश्वास है, यदि आप मुझे अनुमति दें, तो मैं पूरी लगन से विश्वास करता हूँ कि पुराने नियम की कहानी हमारी कहानी है, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका की कहानी हमारी कहानी है।

जिस तरह वर्जीनिया के इतिहास की कहानी अब वर्जीनिया के मूल निवासी के रूप में मेरी कहानी है, उस सब में एक व्यक्तिगत गुण है, और इतिहास पूरी तरह से व्यक्तिगत है और होना भी चाहिए। लेकिन इसे इस वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए कि ईश्वर हस्तक्षेप करता है, और यह मानव कथा में काम करने की उसकी इच्छा है। तो, हमारा पाठ्यक्रम मुख्य रूप से इतिहास है, लेकिन अन्य महत्वपूर्ण कारक भी हैं, और मैं आज सुबह भूगोल के कारक के बारे में बात करने जा रहा हूँ।

एक खेल है जो लोकप्रिय हुआ करता था। मुझे नहीं लगता कि यह अब उतना खेला जाता है, लेकिन इसे ट्रिवियल परस्यूट कहा जाता था। क्या आपने उस गेम, ट्रिवियल परस्यूट के बारे में सुना है? मुझे वास्तव में खेल पसंद है, क्योंकि कुछ लोग जो सोचते हैं वह मुझे सामान्य ज्ञान पसंद है।

यदि आप मुझे कुछ हद तक दिखावटी ढंग से अनुमति दें तो मुझे विश्वास हो गया है कि आधुनिक पीढ़ी के साथ खेला जाने वाला ट्रिवियल परस्यूट एक ऐसा खेल है जो कभी खत्म नहीं होगा क्योंकि किसी को भी कभी भी भूगोल के प्रश्न नहीं मिलेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि हम एक ऐसी संस्कृति हैं जो भूगोल, संस्कृति और अर्थशास्त्र में पूरी तरह से उदासीन है, और फिर भी हाफनर का उद्धरण, जिसका मैंने ऊपर उल्लेख किया है, हमें यह जानने की अपरिहार्य आवश्यकता की ओर ले जाता है कि बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करने में भूगोल कैसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि हम बाइबल की दुनिया के भूगोल को नहीं जानते हैं, तो यह बाइबल को समझने की हमारी क्षमता को सीमित कर देगा।

इस कक्षा को एक साथ करते समय संस्कृति के बारे में जितना संभव हो उतना सीखने का प्रयास करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आप जानते हैं, जब एक आधुनिक पाठक मूसा के कानून को

पढ़ना शुरू करता है, तो वह आसानी से परेशान हो सकता है, क्योंकि उदाहरण के लिए, गुलामी के बारे में सभी प्रकार के कानून मौजूद हैं। कामुकता के बारे में सभी प्रकार के कानून हैं जो विचित्र प्रतीत होते हैं।

और इसलिए, मुझे लगता है कि हम समय से पहले निष्कर्ष निकालते हैं कि हमें वे कानून पसंद हैं या हमें वे कानून पसंद नहीं हैं। लेकिन दोस्तों, आपको उस दुनिया की संस्कृति को समझना होगा जिसमें भगवान ने अपना रहस्योद्घाटन दिया, यह जानने के लिए कि उन कानूनों के माध्यम से सुसंगत रूप से कैसे सोचा जाए। हमें भूगोल को जानने की जरूरत है, हमें संस्कृति को जानने की जरूरत है, हमें धर्म को जानने की जरूरत है।

न केवल बाइबिल का धर्म, बल्कि उसके पड़ोसियों का धर्म। आप देखिए, समस्या यह है कि जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ रहे होते हैं, तो वे मानते हैं कि आप प्रतिस्पर्धी धार्मिक परंपराओं के बारे में जानते हैं। वे मानते हैं कि आप बाल के धर्मशास्त्र को जानते हैं।

वे मानते हैं कि आप कनानी धार्मिक विचार को समझते हैं। जब वे इन प्रतिस्पर्धी प्रणालियों पर हमला कर रहे होते हैं, तो वे मान लेते हैं कि हम इसे जानते हैं। खैर, अब हमारे पास इसके बारे में सुसंगत रूप से बात करने की क्षमता है, लेकिन हम अभी भी एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां इजरायलियों के पड़ोसियों की धार्मिक मान्यताओं के बारे में बहुत कम जानकारी है।

फिर, निस्संदेह, मेरे पसंदीदा में से एक है, लेकिन जिन क्षेत्रों के बारे में मुझे लगता है कि मुझे सबसे कम जानकारी है, और वह है अर्थशास्त्र का क्षेत्र। बाइबिल के रिकॉर्ड में अर्थशास्त्र एक बड़ी भूमिका निभाता है, लेकिन हम इसके बारे में बहुत, बहुत कम जानते हैं। जिस तरह हमें उस दुनिया को समझने के लिए इस प्रकार की चीजों को जानने की जरूरत है जिसमें हम रह रहे हैं, उसी तरह हमें बाइबल के संदेश को समझने के लिए इन्हें समझने की जरूरत है।

मैंने आपको एक महत्वपूर्ण पुस्तक का उल्लेख किया है; यह वास्तव में एक बेहतरीन यहूदी विद्वान जैक सैसेन द्वारा तैयार किया गया बहु-खंडीय संग्रह है। यह प्राचीन निकट पूर्व की सभ्यताएँ हैं। यह संभवतः प्राचीन यूरोशियन अध्ययनों पर सामग्री का सबसे बड़ा संकेन्द्रण है जिसके बारे में मैं जानता हूँ।

इसे हेंड्रिकसन प्रेस द्वारा पुनः प्रकाशित किया गया है। आप में से उन लोगों के लिए जो यह निर्णय लेते हैं कि आप मेरे जैसे हैं, आप इस विषय से प्रभावित हैं, और आप अपनी लाइब्रेरी में चीजें जोड़ना शुरू करना चाहते हैं, तो यह जोड़ना एक महत्वपूर्ण बात होगी। यह एक शानदार किताब है, और यह एक अद्भुत भंडार है जो इनमें से कई विषय क्षेत्रों और उनके अलावा कई अन्य विषयों के बारे में विस्तार से बताता है।

ग्राफ़ को देखते समय हमने जिन कुछ परिचयात्मक योग्यताओं पर चर्चा की उनमें पहले से ही ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण की समस्या थी। दोस्तों, मैं आपको बता सकता हूँ कि ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण की यह समस्या इतनी व्यापक है कि आप सोचेंगे कि मैं अतिशयोक्ति कर रहा हूँ, लेकिन मैं आपको सच बता रहा हूँ। ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण की समस्या इतनी व्यापक है कि आज तक, लगभग हर बार जब मैं बाइबिल खोलता हूँ, तो मैं एक दिनचर्या से गुजरता हूँ।

मैं अपने आप को रोकता हूँ। इससे पहले कि मैं कोई शब्द पढ़ूं, मैं खुद को रोकता हूँ, और फिर रुकता हूँ, और मैं अपने भगवान से कहता हूँ, आप जानते हैं, मैं शायद इस अनुच्छेद को सही ढंग से नहीं समझता हूँ। खैर, स्थानांतरण की समस्या से बचने के लिए यह विनम्र यात्रा है क्योंकि अगर मुझे लगता है कि मुझे पता है, तो मैं शायद पाठ पर एक ऐसा अर्थ थोप रहा हूँ जो वहां हो भी सकता है और नहीं भी।

इसलिए ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण एक जबरदस्त समस्या है, और यह आंशिक रूप से इसलिए आता है क्योंकि हम बाइबल को ऐसे पढ़ते हैं जैसे कि भगवान ने इसे व्यक्तिगत रूप से हमारे लिए लिखा हो। हमें यह पता लगाना होगा कि जिन लोगों के लिए उसने इसे लिखा, उनके लिए इसका क्या मतलब था। इससे हमें सही ढंग से यह समझने में मदद मिलेगी कि आज हमारे लिए इसका क्या मतलब है।

तो यह सब सिर्फ परिचयात्मक सामग्री है, मुझे आशा है कि आप अब तक के सबसे आकर्षक अनुभव का आनंद लेंगे। अब, निस्संदेह, यह पुराना नियम है, इसलिए जब मैं यह प्रश्न पूछूंगा कि हम कहाँ से शुरू करें तो आपको आश्चर्य हो सकता है? हम सोचते होंगे कि हम उत्पत्ति 1 से शुरुआत करेंगे, लेकिन वास्तविकता में, अगर हम पृष्ठभूमि को देख रहे हैं, तो हम इसे साक्ष्य के परिप्रेक्ष्य से देखने की कोशिश कर रहे हैं, और उत्पत्ति 1 से 11 की पूरी दुनिया एक ऐसी दुनिया है जो नष्ट हो गई है। यह एक ऐसी दुनिया है जो कृत्रिम रूप से प्रतिलिपि प्रस्तुत करने योग्य नहीं है।

इसलिए, जबकि हम उत्पत्ति 1 और 2 को एक धार्मिक पाठ के रूप में अध्ययन कर सकते हैं, एक ऐतिहासिक पाठ के रूप में इसका अध्ययन करना असंभव है। ठीक है, इससे पहले कि मैं अपने दर्शकों के साथ परेशानी में पड़ जाऊँ, मुझे यहीं रुकने दीजिए। मेरा धार्मिक विश्वास है कि उत्पत्ति 1 और 2 ऐतिहासिक सामग्री हैं।

उत्पत्ति 1 और 2 को कैसे समझा जाए इस पर आज बहुत विवाद है। मुझे लगता है कि यह वर्णन करता है कि भगवान ने आकाश और पृथ्वी को कैसे बनाया, लेकिन यह इस अर्थ में इतिहास नहीं है कि मैं इसे ऐतिहासिक रूप से पुनः प्राप्त नहीं कर सकता। हम ठीक से नहीं जानते कि उत्पत्ति 1 कितने वर्ष पहले हुई होगी, और हम उस दुनिया के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं, इस अर्थ में कि हम जानते हैं कि यदि उत्पत्ति की बाढ़ वैश्विक होती, जैसा कि मुझे लगता है कि यह थी, तो वह दुनिया नष्ट हो जाती है। इसलिए, हम वास्तव में उत्पत्ति 1 और 2 के साथ शुरुआत नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन यह हमें यह सवाल पूछने के लिए प्रेरित करेगा कि बाढ़ के तुरंत बाद की दुनिया के बारे में क्या? क्योंकि, आखिरकार, अगर हमने बाढ़ से शुरुआत की, तो हमें इस धारणा के साथ शुरुआत करनी होगी कि दुनिया में सब कुछ नष्ट हो गया है।

यहाँ तक कि पृथ्वी की स्थलाकृति भी बदल गयी होगी। उदाहरण के लिए, हम उत्पत्ति 1 से 2 तक जानते हैं कि पाठ हमें बताता है कि ईडन गार्डन में चार नदियाँ थीं, और हम दो, टाइग्रिस और यूफ्रेट्स को जानते हैं, लेकिन अन्य दो को हम नहीं जानते हैं। शायद बाढ़ ने स्थलाकृति बदल दी और वे नदियाँ अब नहीं रहीं।

इसलिए, यदि हम बाढ़ से शुरुआत नहीं कर रहे हैं, तो हम खुद से पूछेंगे कि बाढ़ के तुरंत बाद की दुनिया के बारे में क्या? खैर, एक बार फिर देखिए, चीजों को कृत्रिम रूप से डेटिंग करने के बारे में भारी विवाद है, और मैं कोई वैज्ञानिक नहीं हूँ। हाई स्कूल में ईसाई बनने से पहले, मैं जीव विज्ञान का शिक्षक बनना चाहता था। जब मैं ईसाई बन गया, और मैंने जीव विज्ञान के पर्याप्त पाठ्यक्रम ले लिए थे कि जब मैं ईसाई बन गया, स्नातक होने से ठीक तीन महीने पहले, मैं एक बाइबल कॉलेज में गया, और आप मेरे सदमे की कल्पना कर सकते हैं जब मैंने जीव विज्ञान की कक्षा ली, और मैं सचमुच मैं अपने शिक्षक से अधिक जीव विज्ञान जानता था।

खैर, जाहिर है, हाई स्कूल के बाद, मैंने जीव विज्ञान ज्यादा नहीं सीखा, इसलिए मैं विज्ञान बहुत कम जानता हूँ, और इसलिए तारीखों के बारे में सवाल का जवाब काफी हद तक एक वैज्ञानिक सवाल है, और यह कुछ ऐसा है जिसका मैं जवाब नहीं दे सकता। लेकिन मैं आपको जो बता सकता हूँ वह यह है कि बाढ़ की तारीख पर पहुंचना लगभग असंभव है क्योंकि, अनिश्चित वर्षों तक, बाढ़ के बाद की संस्कृतियां पूरी तरह से कृषि आधारित थीं। कोई शहर नहीं थे।

यदि शहर नहीं होते, तो इतिहास को फिर से बनाने के लिए जिन चीजों पर हम भरोसा करते हैं उनमें से कई चीजें गायब थीं। अगर लिखा था तो उसके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है। तो समस्या यह है कि बाढ़ के बाद की उन शताब्दियों में, हम उस तरह के कृत्रिम साक्ष्य निकालने में असमर्थ हैं जो हमें इतिहास लिखने की अनुमति देते हैं।

इतिहास को इस तरह से लिखने के लिए कि बाइबल की व्याख्या करने में मदद मिले, हमें साहित्य की आवश्यकता है। साहित्य वह कुंजी है जो इतिहास का ताला खोलती है। यदि हमारे पास केवल कलाकृतियाँ हैं, तो हम जो प्राप्त कर सकते हैं उसमें कुछ हद तक सीमित हैं।

इसलिए, यहां अपनी टिप्पणी में, मैंने उल्लेख किया कि हम बाढ़ की ऐतिहासिक वास्तविकताओं को पुनर्प्राप्त नहीं कर सकते हैं। हम बस बाइबिल के संदेश पर विश्वास कर सकते हैं कि ऐसा हुआ था। एक समय था जब सर लियोनार्ड वूली ने सोचा था कि उन्हें उर में बाइबिल की बाढ़ के सबूत मिले हैं, और उर दक्षिणी मेसोपोटामिया में एक महान शहर है।

और उर में एक बड़ी बाढ़ आई, और जब वह तीन मीटर गहरे उर के अवशेषों को खोद रहा था तो उसे जलोढ़ निक्षेप मिले। उन्होंने इस बाढ़ की तिथि लगभग 3500 ईसा पूर्व बताई, और फिर इसकी पहचान जेनेसिस बाढ़ विवरण से की। दूसरे शब्दों में, उसने वही पाया जिसे वह स्थानीय बाढ़ समझता था।

खैर, अब हम जानते हैं कि उसे एक महान बाढ़ का सबूत मिला था, लेकिन उसे बाइबिल की बाढ़ का सबूत नहीं मिला। मेरा मानना है कि वह बाढ़ भूवैज्ञानिक रही होगी। और इसलिए, इसे ध्यान में रखते हुए, मैं यह निष्कर्ष निकालूंगा कि बाढ़ पर बाइबिल के पाठ का अध्ययन करना एक महत्वपूर्ण अभ्यास है, अगर हम इसे एक ऐतिहासिक समयरेखा में सम्मिलित करना चाहते हैं, तो हम ऐसा करने में सक्षम होने के लिए जानकारी खो रहे हैं।

इसलिए, यदि हम बाढ़ से शुरुआत नहीं करते हैं, तो मैं सवाल पूछता हूँ कि कृत्रिम साक्ष्य, स्ट्रेटिग्राफी और रेडियोकार्बन डेटिंग जैसी अन्य विशेषताओं के बारे में क्या? मैं एक बार फिर आपको यह समझाना चाहता हूँ कि मैं कोई वैज्ञानिक नहीं हूँ। मैं रेडियोकार्बन-14 की घटनाओं के साथ बातचीत करने में सक्षम नहीं हूँ। लेकिन भले ही रेडियोकार्बन-14 को समझने में पूरी विद्वत्ता एकमत हो, फिर भी यह हमें ऐसा इतिहास बनाने की अनुमति नहीं देगा जो उस पाठ को रंगीन बना सके जिसे हम देख रहे हैं।

और हम जो खोज रहे हैं वह पाठ की दुनिया है क्योंकि यह पाठ की व्याख्या करता है, और वह काफी हद तक गायब होगा। इसलिए, जैसे ही हम पृष्ठभूमि के इन शुरुआती चरणों में अपना रास्ता बनाते हैं, हम एक ऐसी दुनिया को देख रहे हैं जिसमें हम किसी भी संदेह की छाया से परे जानते हैं, और यह एक तस्वीर है जो उत्पत्ति द्वारा प्रदान की गई है, बाढ़ के बाद, जब नूह और उसका परिवार जहाज से उतर गया, उन्होंने वही किया जो दुनिया भर में लोग करते हैं। वे खेती करते थे।

उनके पास खाने के लिए खेत था। और हम जानते हैं कि मानव आबादी को इस हद तक पुनरुत्पादित होने में सदियाँ लग गई होंगी कि लोगों ने शहरीकरण करना शुरू कर दिया होगा। सामग्री से हम जानते हैं कि पहले महान शहरी केंद्र थे।

हम जानते हैं कि वहाँ छोटे-छोटे गाँव थे। लेकिन छोटे गाँव का कालखंड कितना लंबा था, यह जानना कुछ बहस का विषय है। तो, तिथियाँ 10,000 ईसा पूर्व और उससे ऊपर की हैं।

तो, हम जो कह सकते हैं वह यह है कि पूर्व-साक्षरता काल में नगर बस्तियाँ थीं। और इसलिए लेखन के आविष्कार से पहले प्रीलिटरेट का मतलब है। हम मोटे तौर पर जानते हैं, बस एक बहुत ही अनुमानित तारीख देने के लिए, लेखन का प्रारंभिक रूप लगभग 3,000 ईसा पूर्व, शायद 3,200 ईसा पूर्व शुरू हुआ होगा।

और फिर लिखने की तकनीक विकसित करने में सदियाँ लग गईं। इसका मतलब यह नहीं है कि नूह नहीं लिख सकता था। हम नहीं जानते कि नूह क्या कर सकता था।

तो, परिदृश्य यह है कि 9,000 ईसा पूर्व के बाद, मेसोपोटामिया में जलवायु बदलना शुरू हो गई। और फिर इसके परिणामस्वरूप पूरे फर्टाइल क्रीसेंट में गांवों का प्रारंभिक विकास हुआ। अब, मुझे आपको फर्टाइल क्रीसेंट शब्द की एक तस्वीर देने की आवश्यकता है क्योंकि हम मान रहे हैं कि आप इस शब्द को जानते हैं।

तो, मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि उपजाऊ अर्धचंद्र कैसा दिखता है। यह क्षेत्र जिसे हम देख रहे हैं वह उस क्षेत्र का मानचित्र है जिसे विभिन्न प्रकार से मध्य पूर्व या प्राचीन निकट पूर्व कहा जाता है। यह वही चीज़ है, बस यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसका मूल्यांकन किस अवधि से कर रहे हैं, मध्य या निकट पूर्व से।

लेकिन जैसा कि आप देख सकते हैं, अगर आपकी नज़र रंग पकड़ सके, तो एक हरा आधा चाँद है जो भूमध्यसागरीय तट के साथ चलता है, उत्तर की ओर जाता है और फिर दक्षिण की ओर मुड़

जाता है। और यदि आप ध्यान दें, तो आप देख सकते हैं कि बीच में, हमारे पास एक भाग है जो भूरे रंग का है। अब, यह हमारे लिए जो कर रहा है वह वह दिखा रहा है जिसे लोग उपजाऊ वर्धमान कहते हैं।

यह हरा है क्योंकि यह उपजाऊ है। कहने का तात्पर्य यह है कि उनके पास फसल उगाने के लिए पर्याप्त पानी है। लेकिन अर्धचंद्र या उपजाऊ अर्धचंद्र के केंद्र में, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, यह भूरा है, जो आपको बता रहा है कि यह सूखा है और वास्तव में केवल दुर्लभ प्रकार के जीवन ही वहां रह सकते हैं क्योंकि यह बहुत दुर्गम है।

तो हरे-भरे क्षेत्र, फर्टाइल क्रीसेंट में आधुनिक समय का क्षेत्र शामिल है, अगर मैं आपको इस तरह उत्तर की ओर ले जा सकता हूं, तो यह सिनाई है। यदि आप मेरा कर्सर देख सकते हैं, तो यहाँ का यह छोटा सा क्षेत्र इज़राइल है। इज़राइल के उत्तर को हम लेबनान कहते हैं। लेबनान के उत्तर में सीरिया है।

आज, पृथ्वी पर सबसे दुखद मानवीय कहानियों में से एक सीरिया की कहानी है। फिर हम सीरिया के पूर्व में जाते हैं, और हम आधुनिक इराक में आते हैं। इराक फारस की खाड़ी तक फैला हुआ है।

तो, मैंने अभी जो राष्ट्रों की सूची दी है वह फर्टाइल क्रीसेंट है। बीच का क्षेत्र, अरब रेगिस्तान का क्षेत्र, इसमें मानव जीवन बहुत कम है। तो, इस क्षेत्र को हम उपजाऊ वर्धमान कहते हैं।

और हम जो जानते हैं वह यह है कि जलवायु में बदलाव शुरू हुआ, जिससे इस क्षेत्र में गांवों का विकास हुआ। एक बार फिर, मैं इस शुरुआती सामग्री का विश्लेषण नहीं हूँ, लेकिन मैं आपको बता सकता हूँ कि हमें लगता है कि जलवायु धीरे-धीरे सूख रही थी। और सामग्रियों के अध्ययन से हमें पता चलता है कि इस पूरे क्षेत्र में ग्लेशियर की गति से, बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है, इस पूरे क्षेत्र में पानी सूख रहा है।

उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व का पूरा क्षेत्र 30 वर्षों से धीरे-धीरे सूख रहा है। हजारों वर्ष। हम यह जानते हैं क्योंकि सहारा रेगिस्तान के ठीक मध्य में, हमें ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहां पानी के छिद्रों में अभी भी मगरमच्छ रहते हैं।

सहारा रेगिस्तान में, लोगों और पुरातत्वविदों को दरियाई घोड़े और अन्य जानवरों के अवशेष मिले हैं जिनके पास रहने के लिए प्रचुर मात्रा में पानी था। इसलिए, सामान्य तौर पर सूखा पड़ रहा है, और मुझे लगता है कि यही कारण है, हमारे चार्ट पर वापस आते हैं, मुझे लगता है कि यही कारण है कि उन्होंने गांवों के विकास को आगे बढ़ाया है क्योंकि मनुष्य खुद को दो नदियों के निकट संगठित कर रहे थे। अब, मुझे नहीं पता कि आप इस ग्राफ को कितनी अच्छी तरह देख सकते हैं, लेकिन मैं आपको बता सकता हूँ, इस मानचित्र पर, पश्चिम की ओर एक नदी है जिसे यूफ्रेट्स कहा जाता है और पूर्व की ओर एक नदी है जिसे टाइग्रिस कहा जाता है।

और हम जो जानते हैं वह यह है कि जब इन गांवों का विकास शुरू हुआ, तो वे स्वाभाविक रूप से नदियों के नजदीक विकसित हुए क्योंकि उनमें पानी था। तो, यह वह परिवर्तन है जो गांवों का

विकास लाता है, और गांव, निश्चित रूप से, अंततः शहरीकरण की ओर ले जाएंगे। तो, यह गाँव काल हजारों वर्षों तक चला, जो निश्चित रूप से समझ में आता है।

सच्चे शहरी केंद्रों को विकसित करने की तकनीक विकसित करने में सहस्राब्दियाँ लग गईं। तो, यह गाँव की अवधि उत्पत्ति 12 से पहले की हर चीज़ से बहुत लंबी है। जब इब्राहीम उत्पत्ति के अध्याय 11 के अंत और अध्याय 12 की शुरुआत में प्रकट होता है, तो हम जानते हैं कि यही है, यदि उसके लिए किसी तिथि पर पहुंचने का प्रारंभिक सूत्र सही है, वह लगभग 2100 ईसा पूर्व था।

ठीक है, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, यदि इन गांवों के लिए रेडियोकार्बन 14 द्वारा निर्धारित तिथियाँ सही हैं, तो ये लगभग 9000 ईसा पूर्व शुरू होती हैं और फिर शायद 5000, 4000 ईसा पूर्व तक जारी रहती हैं जब शहरों का विकास शुरू होता है। इनमें से सबसे पहला ज़ाग्रेस की तलहटी में जर्मू है। तो, रेडियोकार्बन की तारीख 6750 से पहले की है।

यह सब उससे बहुत पहले है जहां हम कक्षा में अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। इसलिए, यदि मैं कर सकूँ, तो मैं आपका ध्यान एक छोटे से भ्रमित करने वाले बिंदु पर ले जाऊंगा। यदि हमें इज़राइल देश में जाना हो, तो हमारे पास जॉर्डन घाटी में एक शहर है, या इसे आमतौर पर जॉर्डन रिफ्ट कहा जाता है, जिसे जेरिको कहा जाता है।

रेडियोकार्बन 14 उस शहर का समय 7000 बताता है। ऐसा प्रतीत होता है कि इसकी पहली दीवार थी, जो लगभग 12 फीट ऊँची और 5 फीट मोटी थी। इसमें एक गोल युद्धपोत टावर भी था जो लगभग 27 फीट ऊँचा था।

तो, जैसा कि आप देख सकते हैं कि यदि रेडियोकार्बन 14 सही है, तो यह हमें यह पहचानने की ओर ले जाता है कि सबसे पुराने गाँव मेसोपोटामिया में लगभग उसी समय शुरू हुए थे जब जेरिको की शुरुआत हुई थी जिसे हम इज़राइल कहते हैं। तो, दूसरे शब्दों में, 7000 और 6000 ईसा पूर्व तक, मनुष्य एक साथ उस जगह फैलने में सफल हो गया था जिसे हम उपजाऊ वर्धमान कहते हैं। हालाँकि, आप देखेंगे कि कम से कम ये शुरुआती शहर नदियों के किनारे के शहर होंगे।

जेरिको नदी के किनारे है। तो, इन शहरों के विकास में यह एक महत्वपूर्ण कारक था। तो, इसके साथ, मुझे लगता है कि मैं जो करना चाहूँगा वह यह है कि मैं अपने नोट्स से आगे बढ़ूँ और आपसे मध्य पूर्व की स्थलाकृति पर ध्यान देने के लिए कहूँ।

तो, हम इसे देख रहे हैं, यह क्लास नोट्स में है जिस तक आप सभी की पहुंच है। और हम जो करने जा रहे हैं वह ऊपर से नीचे की ओर बढ़ना है और जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, शीर्ष पर यह क्षेत्र वह होगा जिसे हम पश्चिम कहेंगे। और वह है भूमध्य सागर।

क्या आप सब देख सकते हैं कि भूमध्य सागर कहाँ मौजूद है? हम क्षैतिज भूभाग पर पश्चिम से पूर्व की ओर जाने वाले हैं। तो, हमारे पास तटीय मैदान है, जिसके विभिन्न नाम हैं। वह तटीय मैदान कुछ मील से लेकर 20 मील तक चौड़ा है।

और फिर हम इस केंद्रीय पर्वत श्रृंखला पर आते हैं जो वास्तव में पूरे रास्ते चलती है; यदि आप कर्सर का अनुसरण कर सकते हैं और हम उत्तर की ओर जाते हैं, तो क्या आप सभी इस पर्वत श्रृंखला का अनुसरण कर सकते हैं जो सीरिया, फिलिस्तीन के तट से लेकर आधुनिक तुर्की तक फैली हुई है? ठीक है। वैसे भी इसे इज़राइल में केंद्रीय पर्वत कहा जाता है। और इसलिए, जैसा कि आप देख सकते हैं, यह पर्वत श्रृंखला पूरे उत्तर की ओर फैली हुई है।

यदि आप मेरे कर्सर का अनुसरण कर सकते हैं, दक्षिण की ओर लौटते हुए, आप देखेंगे कि पर्वत श्रृंखला के ठीक पूर्व में एक घाटी है। यह घाटी उपजाऊ है और हम जिस देश में हैं उसके आधार पर इसके अलग-अलग नाम हैं। बाइबिल के रिकॉर्ड में इस घाटी को जॉर्डन रिफ्ट कहा जाता है।

तो, इसे थोड़ा कैलिफ़ोर्निया की तरह सोचने का प्रयास करें। आप जानते हैं, कैलिफ़ोर्निया में आपके पास एक तटीय मैदान है। जब आप पश्चिम से पूर्व की ओर आते हैं, तो आपके पास एक तटीय मैदान होता है।

कभी-कभी यह बहुत संकीर्ण होता है। कभी-कभी, यह वहां भी नहीं होता, जैसे कि बिग सुर क्षेत्र में। लेकिन फिर, जब आप पूर्व की ओर आते हैं, तो आप एक पर्वत श्रृंखला से टकराते हैं।

लेकिन फिर, जब आप पर्वत श्रृंखला के पूर्व में पहुँचते हैं, उदाहरण के लिए, आपके पास एक घाटी है, सैन जोकिन घाटी। और फिर आप जितना पूर्व की ओर जाते हैं, यह उतना ही शुष्क होता जाता है। वह स्थलाकृति इज़राइल से काफी मिलती-जुलती है।

इसलिए, उदाहरण के लिए, यह दरार क्षेत्र बहुत उपजाऊ है और जॉर्डन नदी द्वारा सिंचित है। और इसलिए, हम आज इस पूरे मानचित्र के भूगोल की अवधारणा के साथ काम करने में कुछ समय बिताने जा रहे हैं। लेकिन फिर जब हम पूर्व की ओर आगे बढ़ते हैं, तो हम एक अन्य पर्वत श्रृंखला में आते हैं।

और इन्हें इज़राइल में ट्रांसजॉर्डन पर्वत के रूप में जाना जाता है। वे जॉर्डन और सीरिया दोनों के पहाड़ हैं। तो, ट्रांसजॉर्डन पर्वत, वे यहाँ पर केंद्रीय पर्वत श्रृंखला के समानांतर उत्तर-दक्षिण में चलते हैं।

जैसा कि आप बता सकते हैं, हमारे यहाँ निश्चित रूप से बंजर भूमि का एक बड़ा पठार है। यदि आप मुझे अनुमति दें, तो मैं आपको यह दिखाने के लिए अपने वर्ड दस्तावेज़ पर वापस क्लिक करने जा रहा हूँ कि यह महान अरब रेगिस्तान है। अरब का रेगिस्तान मुख्यतः दो घटनाओं का परिणाम है।

इस पूरे क्षेत्र में, आप जितना अधिक दक्षिण की ओर जाते हैं, यह उतना ही शुष्क होता जाता है, चाहे आप कहीं भी हों, चाहे वह उत्तरी अफ्रीका हो या चाहे वह इज़राइल हो या चाहे वह इराक हो। आप जितना अधिक दक्षिण की ओर जाएंगे, यह उतना ही शुष्क होता जाएगा। तो यह दो कारकों में से एक है कि यह सूखा क्यों है, सिर्फ हवाओं के प्रवाह के तरीके के कारण।

लेकिन दूसरा कारण यह है कि यहां की यह पर्वत श्रृंखला मध्य पहाड़ी देश और ट्रांसजॉर्डन पर्वत दोनों है; चूँकि हवाएँ हमेशा पश्चिम से पूर्व की ओर चलती हैं, तो उन हवाओं में जो नमी होती है, वह जब उन पहाड़ों से टकराती है, तो वे पहाड़ नमी को कम कर देते हैं। और यही कारण है कि हमारे पास यह महान अरब रेगिस्तान है: क्योंकि हवा में जो भी नमी होती है वह पहाड़ों द्वारा खींची जाती है। तो ग्रेट अरेबियन रेगिस्तान, जैसा कि आप देख सकते हैं, एक रेगिस्तान है क्योंकि यह ऊंची भूमि भी है, और यहां बहुत कम वर्षा होती है।

मुझे यकीन है कि कई बार ऐसा होता है जब साल भर में बिल्कुल भी बारिश नहीं होती है। लेकिन फिर हम उस महान रेगिस्तानी क्षेत्र के पूर्व में आते हैं, और हम उपजाऊ क्रीसेंट के पूर्वी हिस्से में आते हैं, जो, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, असाधारण कृषि भूमि है। हम इसके बारे में बाद में भी बात करेंगे।

और यह उपजाऊ है, इसलिए नहीं कि यहाँ बहुत अधिक वर्षा होती है। यह उपजाऊ है क्योंकि प्राचीन काल में इस क्षेत्र का अधिकांश भाग बाढ़ निक्षेपों द्वारा निर्मित हुआ था। हम इसे यहाँ विशेष रूप से दक्षिण में जानते हैं।

तो, यह उपजाऊ मिट्टी है जिसे नीचे लाया गया और जमा किया गया है, जैसा कि हमारे पास लुइसियाना डेल्टा में है। वही घटना. और इसलिए यह उपजाऊ है क्योंकि इसमें थोड़ी सी वर्षा होती है, बल्कि इसलिए भी क्योंकि इस पर्वत श्रृंखला से पूर्व की ओर कई नदियाँ बहती हैं।

ये फर्टाइल क्रीसेंट के पश्चिमी किनारे के पहाड़ों से काफी ऊंचे हैं। वहाँ पूर्व की ओर के पहाड़, जहाँ मेरा कर्सर है, ज़ाग्रेस पर्वत कहलाते हैं। आप में से कुछ लोग ज़िगुराट शब्द में ज़ाग्रेस शब्द को पहचान सकते हैं।

जिगुराट एक ऊंची इमारत है, इसे इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह ऊंची है। ज़ाग्रेस का अर्थ है ऊँचा या ऊंचा, और इसलिए इन पहाड़ों को ज़ाग्रेस कहा जाता है क्योंकि वे 9,000 और 10,000 फीट ऊंचे हैं। ठीक है, आप देखते हैं, जब आपके पास इतने ऊँचे पहाड़ होते हैं, तो वे वायुमंडल में ऊपर जो भी नमी होती है उसे खींच लेते हैं, और फिर उस नमी को निकाला जाता है, और फिर यह मेसोपोटामिया के विशाल बाढ़ क्षेत्र में चला जाता है और इसलिए, कई क्षेत्रों का निर्माण करता है खेती की जा सकती है क्योंकि पानी इन नदियों के रूप में बहता है।

तो, यह एक स्थलाकृति है जिसके बारे में हम दो अलग-अलग खंडों में बात करने जा रहे हैं। हम मेसोपोटामिया की स्थलाकृति के बारे में बात करके शुरुआत करेंगे। मैं आपको बताऊंगा कि वह स्थलाकृति क्या है।

मैं आपको बताऊंगा कि कैसे वह स्थलाकृति इतिहास का निर्माण करती है। मैं आपसे इस बारे में बात करूंगा कि खाद्य उत्पादन के लिए उस स्थलाकृति का क्या अर्थ है, और फिर हम इज़राइल की स्थलाकृति के लिए भी ऐसा ही करेंगे क्योंकि हमें उस स्थलाकृति को भी सही ढंग से समझने की आवश्यकता है। इसलिए, यदि मैं अपना कर्सर यहां इस मानचित्र पर रख सकूँ, तो मैं एक विशेष क्षेत्र के बारे में बात शुरू करने से पहले आपको तेजी से जोन दिखाने के लिए पश्चिम से पूर्व की ओर तेजी से चलूंगा।

तो, पहला, निस्संदेह, भूमध्य सागर है, जो, निश्चित रूप से, नमी पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण है। तो, हम जिस पहले भूमि क्षेत्र में आते हैं वह तटीय मैदान है। अगला क्षेत्र जिसमें हम आते हैं वह यह पर्वत श्रृंखला है जो अकाबा से लेकर तुर्की तक उत्तर और दक्षिण तक फैली हुई है।

तीसरा क्षेत्र, जैसा कि आप बता सकते हैं, वह घाटी है। मुझे आपको इस घाटी, जॉर्डन रिफ्ट के बारे में बताना चाहिए। यह इस विशेष मानचित्र पर दिखाई नहीं देता है, लेकिन यह घाटी मध्य तुर्की तक जाती है।

यह पूरे मध्य तुर्की तक चलता है। यह इसी प्रकार नीचे दक्षिण की ओर चलता है। यह अकाबा और लाल सागर में बहती है, और फिर लाल सागर से यह भूमिगत यानी समुद्र के तल में बहती है।

यह पूरे दक्षिण से मध्य अफ्रीका तक चलता है। हम जिस घाटी की बात कर रहे हैं वह पृथ्वी की सतह पर सबसे बड़ी क्रीज है। यही कारण है कि बाइबल में हम भूकंपों के बारे में इतनी बार पढ़ते हैं क्योंकि टेक्टोनिक प्लेटें खिसकती हैं और भूकंप का कारण बनती हैं।

और इसलिए, यह घाटी, जो मानचित्र पर अपेक्षाकृत छोटी है, पृथ्वी की सतह पर सबसे बड़ी क्रीज का हिस्सा है। मुझे कहना चाहिए कि पृथ्वी पर नहीं क्योंकि यह स्पष्ट रूप से पानी के नीचे है। तो यही दरार है।

फिर हमारे पास पर्वत श्रृंखलाओं का यह समूह है जो उसके पूर्व में है। फिर हमारे पास ग्रेट अरेबियन रेगिस्तान है, जिसका निस्संदेह, बहुत कम मानवीय मूल्य है। और फिर हमारे पास मेसोपोटामिया के उपजाऊ बाढ़ के मैदान हैं।

और फिर हमारे पास ग्रेट ज़ाग्रोस पर्वत श्रृंखला है, जो इराक को ईरान से अलग करती है। महान ईरानी पठार ज़ाग्रोस पर्वत के पूर्व में है। इसलिए, इस मानचित्र पर, हमने पुराने नियम में बाइबिल के इतिहास की स्थलाकृति का चित्रण किया है।

खैर, अधिकांश भाग के लिए, क्योंकि जब हम पुराने नियम के अंत तक पहुँचते हैं, तो यूनानी भूमिका में आते हैं। और जैसा कि आप इस मानचित्र पर देख सकते हैं, ग्रीस वहां नहीं है। इसलिए, मेरे पास अन्य मानचित्र हैं जो मैं आपको इसके संबंध में दिखा सकता हूँ क्योंकि पुराने नियम के अंत में, मानचित्र में इस क्षेत्र, पश्चिमी तुर्की और उस क्षेत्र को शामिल करने के लिए परिवर्तन किया गया है जिसे हम आज ग्रीस कहते हैं।

यह स्वयं को पुराने नियम की कहानी में सम्मिलित करता है। यही वह स्थलाकृति है जिसे हम आज देखना चाहेंगे, और यही क्षेत्र मानचित्र हमें सिखाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ठीक है, तो मुझे लगता है कि हम क्या करेंगे, हम यहां रुकेंगे, और फिर कुछ मिनटों में अपने समय पर, हम वापस आएं और स्थलाकृति और खाद्य उत्पादन और चीजों का विश्लेषण शुरू करेंगे। मेसोपोटामिया की तरह. मुझे लगता है कि आपको यह सब बहुत दिलचस्प लगेगा। हम

शायद ही कभी इस तरह की किसी चीज़ पर उपदेश सुनते हैं क्योंकि यह वास्तव में वह पाठ नहीं है जिसके साथ हम उतना ही निपट रहे हैं जितना कि हम भूगोल से निपट रहे हैं।

लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप धैर्य रखेंगे तो आप बहुत कुछ सीखेंगे। ठीक है। आपके ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 1, परिचय और प्रारंभिक मेसोपोटामिया भूगोल है।